अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी का,

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

दो वर्षीय एम.ए.डिग्री प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

एम.ए. (हिंदी) सेमेस्टर - III

हिंदी विभाग

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(2024-25)

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2023 पैटर्न)

(एनईपी 2020 के अनुसार)

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला (हिंदी)

प्रस्तावना

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी के तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), **2020** में उल्लिखित दिशानिर्देशों और प्रावधानों को शामिल करते हुए जून, **2023** से विभिन्न संकायों के पाठ्यक्रम को बदलने का निर्णय लिया है। एनईपी सामान्य (अकादमिक) शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल पर आधारित शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा के एकीकरण पर जोर देकर समग्र और बहु-विषयक शिक्षा का परिचय देता है जो छात्रों में रुचि विकसित करने में मदद करेगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति के कारण हिंदी और संबंधित विषयों को विकसित दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर, तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती-पुणे के हिंदी अध्ययन मंडल ने एम.ए.(हिंदी) द्वितीय वर्ष के तृतीय सत्र के लिए पाठ्यक्रम विकसित किया है। जो पारंपरिक शैक्षणिक सीमाओं से परे हैं । पाठ्यक्रम को एनईपी **2020** दिशानिर्देशों के साथ संरेखित किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को ऐसी शिक्षा मिले जो उन्हें चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करें।

हिंदी विषय की उपाधि छात्रों को ज्ञान और कौशल के साथ सुसज्जित करती है जो कैरियर को पूरा करने के लिए आवश्यक है। हिंदी में स्नातकोत्तर छात्रों को ज्ञान प्रदान करने के साथ स्वस्थ मनोविनोद एवं मनोरंजन की शिक्षा देना, हिंदी भाषा-शैली से अवगत कराना, हिन्दी साहित्य एवं भाषा के प्रति अनुराग का विकास करना, जीवन के प्रति यथार्थता एवं स्वाभाविकता का बोध कराना, आदर्श जीवन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, विचार, कल्पना शक्ति, तर्कशक्ति का विकास करना, भावनात्मक तथा चारित्रिक गुणों को विकसित करना, सामाजिकता एवं राष्ट्रीयता की भावना का विकास करना, साहित्य का अन्तिम उद्देश्य सत्यं-शिवं-सुंदरं की प्राप्ति करना आदि मानवीय तथा नैतिक मूल्यों को विकसित कर छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तलाशते हैं।

कुल मिलाकर, एनईपी **2020** के अनुसार हिंदी पाठ्यक्रम को संशोधित करना सुनिश्चित करता है कि छात्रों को प्रासंगिक, व्यापक शिक्षा मिले और उन्हें आज की गतिशील बनाने के लिए तैयार किया गया है । यह उन्हें समाज में सार्थक योगदान देने और तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है।

Programme Outcomes (POs)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार एम. ए. डिग्री कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम परिणाम।

प्रभावी शैक्षणिक वर्ष 2023-2024

PO1	**व्यापक ज्ञान और समझ** (**Comprehensive Knowledge and Understanding**):- छात्र व्यापक बहु-विषयक संदर्भ में अध्ययन के अपने चुने हुए अनुशासनात्मक/अंतःविषय क्षेत्रों की गहन समझ प्रदर्शित करेंगे, जिसमें वर्तमान और उभरते विकास, सीखने के चुने हुए क्षेत्रों से जुड़े पेशेवर कार्यों को करने और पूरा करने के लिए आवश्यक प्रक्रियात्मक ज्ञान शामिल है।	
PO2	**ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग (Application of knowledge and skills) :** स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त उन्नत तकनीकी और/या सैद्धांतिक ज्ञान और संज्ञानात्मक और व्यावहारिक कौशल की एक श्रृंखला को लागू करने की क्षमता का प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे ताकि स्रोतों की एक विस्तृत श्रृंखला पर एकत्रित मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा का विश्लेषण किया जा सके। सीखने के चुने हुए क्षेत्रों से संबंधित समस्याओं और मुद्दों की पहचान करने के लिए,	
PO3	**संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य** (**Constitutional, humanistic, ethical, and moral values) :** स्नातकोत्तर छात्र जीवन में संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्यों को अपनाने और अभ्यास करने की इच्छा और क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे, काम के सभी पहलुओं में उद्देश्यपूर्ण, निष्पक्ष और सच्चे कार्यों को अपनाएंगे। सीखने और पेशेवर अभ्यास के चुने हुए क्षेत्र से संबंधित, प्रासंगिक नैतिक और नैतिक मुद्दों के समर्थन में सुसंगत तर्क प्रस्तुत करें।	
PO4	**रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) :** स्नातकों को आवश्यक ज्ञान और कौशल के अधिग्रहण का प्रदर्शन करने में सक्षम होना चाहिए: काम के भविष्य के लिए अनुकूलन और तकनीकी विकास और नवाचारों की तेज गति की मांगों के लिए जो एक बदलाव लाते हैं। कौशल के लिए नियोक्ताओं की मांगों में, विशेष रूप से काम के नए रूपों के निर्माण और तेजी से बदलते काम और उत्पादन प्रक्रियाओं से जुड़े अधिक प्रौद्योगिकी-सहायता वाले कार्यों की ओर संक्रमण के संबंध में।	
PO5	**स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही** (**Autonomy, Responsibility, and Accountability) :** ज्ञान और कौशल को लागू करने, कार्य संदर्भों में सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वतंत्रता, जिम्मेदारी और जवाबदेही का प्रदर्शन करना चाहिए।	
PO6	**अनुसंधान कौशल** (**Research Skills**): स्नातक अवलोकन, पूछताछ की गहरी समझ और प्रासंगिक/उचित प्रश्न पूछने की क्षमता, समस्याओं को हल करने, संश्लेषित करने और मुद्दों को स्पष्ट करने और अनुसंधान प्रस्तावों को डिजाइन करने की क्षमता, समस्याओं को परिभाषित करने की क्षमता, उपयुक्त तैयार करने में सक्षम होंगे। और प्रासंगिक शोध प्रश्न, परिकल्पना तैयार करना, मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा का उपयोग करके परिकल्पना का परीक्षण करना, परिकल्पना स्थापित करना, डेटा के विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर अनुमान लगाना और कारण-और-प्रभाव संबंधों की भविष्यवाणी करना ।	

PO7	**आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच** (**Critical and Creative Thinking**) : स्नातक ज्ञान के एक समूह में विश्लेषणात्मक विचार को लागू करने की क्षमता प्रदर्शित करेंगे, जिसमें नीतियों और प्रथाओं के विश्लेषण और मूल्यांकन के साथ-साथ साक्ष्य, तर्क, दावे, विश्वास और साक्ष्य की विश्वसनीयता और प्रासंगिकता शामिल है। स्नातक समान वस्तुओं या परिदृश्यों के बारे में अलग-अलग और विविध तरीकों से बनाने, प्रदर्शन करने या सोचने, समस्याओं और स्थितियों से निपटने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे।	
PO8	**समस्या-समाधान क्षमताएँ** (**Problem-solving Abilities**): स्नातक नवीन और अंतःविषय दृष्टिकोण के माध्यम से जटिल सामाजिक, सांस्कृतिक और कलात्मक चुनौतियों को पहचानने और संबोधित करने में कुशल होंगे।	
PO9	**सहयोग और टीम वर्क** (**Collaboration and Teamwork**) : स्नातक विविध टीमों के साथ प्रभावी ढंग से और सम्मानपूर्वक काम करने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे, एक समूह की ओर से सहकारी या समन्वित प्रयास की सुविधा प्रदान करेंगे, एक सामान्य कारण के हित में एक समूह या टीम के रूप में मिलकर कार्य करेंगे और एक टीम के सदस्य के रूप में कुशलतापूर्वक कार्य करें।	
PO10	**डिजिटल और तकनीकी कौशल** (**Digital and technological skills**): स्नातक विभिन्न प्रकार की सीखने और कार्य स्थितियों में आईसीटी का उपयोग करने, विभिन्न प्रासंगिक सूचना स्रोतों तक पहुंच, मूल्यांकन और उपयोग करने और डेटा के विश्लेषण के लिए उपयुक्त सॉफ़्टवेयर का उपयोग करने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे।	

Programme Specific Outcomes (PSOs)

PSO1. **छात्र हिंदी साहित्य के काव्य परंपरा से परिचित होंगे।**

PSO2. **आधुनिक कवियों के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होगी।**

PSO3. **छात्रों में साहित्य पढने की रुचि निर्माण करके सोच का दायरा व्यापक होगा।**

PSO4. **साहित्य से छात्रों में लेखन कौशल, भाषण कौशल के विकास को बढावा मिलेगा।**

PSO5. **छात्र हिंदी भाषा के साहित्य से अवगत होंगे।**

PSO6. **छात्र भाषा विज्ञान के महत्व से परिचित होगें।**

PSO7. **छात्र हिंदी. मराठी. अंग्रेजी भाषाओं के पारस्परिक अनुवाद से परिचित होंगे ।**

PSO8. **छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचित होगें।**

PSO9. **छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास से संबधित विभिन्न प्रवृत्तियों से परिचित होगें।**

PSO10. **छात्रों में आलोचना से ज्ञानदृधि बढ़ेगी।**

PSO11. **हिंदी आलोचना से छात्र परिचित होगें।**

PSO12. **छात्र साहित्य और आलोचना के सहसंबंधों से अवगत होंगे।**

PSO13. **हिंदी अनुवाद विज्ञान से छात्र परिचित होगें।**

PSO14. **छात्रों में चिकित्सक वृत्ति विकसित होंगी।**

PSO15. **हिंदी जनसंचार माध्यम से छात्र परिचित होगें।**

PSO16. **हिंदी जनसंचार माध्यम से ज्ञानदृधि बढ़ेगी।**

PSO17. **हिंदी जनसंचार माध्यम से छात्रों को रोजागार के अवसर मिलेंगे।**

PSO18. **छात्र विभिन्न कौशल से अवगत होंगे ।**

अनेकांत एजुकेशन सोसाइटी का,

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी अध्ययन मंडल

(2023-24 से 2024-25 तक)

अ.क्र.	नाम	पदनाम
1.	डॉ. प्रदीप सरवदे	अध्यक्ष एवं विभाग प्रमुख
2.	डॉ. प्रतिभा जावले	सदस्य
3.	डॉ. नितिन धवडे	अन्य विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
4.	डॉ. राजेंद्र श्रीवास्तव	प्रोद्योगिकी प्रतिनिधि
5.	डॉ. मनोहर जमदाडे	भूतपूर्व छात्र प्रतिनिधि
6.	डॉ. राजेंद्र खैरनार	निमंत्रित प्रतिनिधि
7.	डॉ. संदीप पवार	सदस्य
8.	डॉ. बनसिंग भोई	सदस्य
9.	कु. पूजा अडागळे	छात्र प्रतिनिधि
8.	कु. रजनी पवार	छात्र प्रतिनिधि

Credit Distribution Structure for M.A.-II (Hindi) (2023 Pattern as per NEP-2020) 2024-2025

Year (2 Year PG)	Level	Sem. (2 Yr)	Major			Research Methodology (RM)	OJT /FP	RP	Cum. Cr.	Degree
			Mandatory	Electives						
II	6.0	Sem-III	HIN - 601-MJM - छायावाद और नई कविता (Credit 04) HIN - 602-MJM - भाषा विज्ञान (Credit 04) HIN - 603-MJM - हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल) (Credit 04) HIN - 604-MJM - जनसंचार माध्यम (Credit 02)	HIN -611-MJE (A) आधुनिक हिंदी आलोचना (Credit 04)	HIN -611-MJE (B) अनुवाद विज्ञान (Credit 04)	HIN -621-RM (Credit 04)	--	--	22	PG Diploma (after 3 Year Degree)
		Sem-IV	HIN - 651-MJM - आधुनिक काव्य (Credit 04) HIN - 652-MJM- हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास (Credit 04) HIN - 653-MJM - हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (Credit 04)	HIN -661-MJE(A) लोकसाहित्य (Credit 04)	HIN -661-MJE (B) पत्रकारिता (Credit 04)	HIN -681-RM Credit 06		--	22	
Cum. Cr. For PG Diploma			**26**	**8**		**10**	**-**	**--**	**44**	

Course Structure for M.A.-II - Hindi (2023 Pattern as per NEP-2020)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
I	Major (Mandatory)	HIN-601-MJM	छायावाद और नई कविता	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -602-MJM	भाषा विज्ञान	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -603-MJM	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतीकाल)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -604-MJM	जनसंचार माध्यम	Theory	02
	Major (Elective)	HIN -611-MJE (A)	आधुनिक हिंदी आलोचना	Theory	04
		HIN -611-MJE (B)	अनुवाद विज्ञान	Theory	04
	Research Methodology (RM)	HIN -621-RM	लघु शोध-प्रबंध	Theory	04
				Total Credits Semester III	**22**
II	Major (Mandatory)	HIN -651-MJM	आधुनिक काव्य	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -652-MJM	हिंदी भाषा का ऐतहासिक विकास	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -653-MJM	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	Theory	04
	Major (Elective)	HIN -661-MJE (A)	लोकसाहित्य	Theory	04
		HIN -661-MJE (B)	पत्रकारिता	Theory	04
	On Job Training (OJT)/Field Project (FP)	HIN -681-OJT/FP		Training/ Project	06
				Total Credits Semester-IV	**22**
				Cumulative Credits Semester III and IV	**44**

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-II] SEMISTER – III

Major – छायावाद और नई कविता

PAPER CODE : HIN-601-MJM

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: III**
Course Type	**: Major Mandatory (Theory)**
Course Name	**: छायावाद और नई कविता**
Course Code	**: HIN-601-MJM**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय कराना।
2. छात्रों को आधुनिक काल के छायावादी तथा नई कविता काव्य के तात्विक स्वरूप की जानकारी देना।
3. आधुनिक युगीन काव्य प्रकारों के विकासक्रम का परिचय देना।
4. छात्रों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरूप के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।
5. छात्रों में काव्य के माध्यम से मूल्य विकसित करना।
6. छात्रों में काव्य आकलन से अनुसंधान की दृष्टि विकसित करना।
7. छात्रों को काव्य सृजन के लिए प्रोत्साहित करना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- छात्र आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों से परिचय होंगे।
CO2- छात्रों को आधुनिक काल के छायावादी तथा नई कविता काव्य के तात्विक स्वरूप से परिचय होंगे।
CO3- छात्र आधुनिक युगीन काव्य प्रकारों के विकासक्रम से परिचय होंगे।
CO4- छात्रों में आधुनिक काव्य रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित होंगी।
CO5- छात्रों में काव्य के माध्यम से मूल्य विकसित होंगे।
CO6- छात्रों में काव्य आकलन से अनुसंधान की दृष्टि विकसित होंगी।
CO7- छात्र काव्य सृजन के लिए प्रोत्साहित होंगे।

पाठ्यक्रम

Major – छायावाद और नई कविता

PAPER CODE : HIN-601-MJM

पाठ्यपुस्तकें :

(1) 'कामायनी' : जयशंकर प्रसाद
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
केवल 'श्रद्धा' तथा 'लज्जा' सर्गों का अध्ययन

(2) 'काव्य प्रसून' : संपा. प्रो. डॉ. सदानंद भोसले
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

इकाई नं.1 : कामायनी (श्रद्धा-लज्जा सर्ग) - जयशंकर प्रसाद — 15 तासिकाएं
संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन

इकाई नं. 2 : अध्ययनार्थ विषय : — 15 तासिकाएं

1. 'कामायनी' की कथा में इतिहास और कल्पना
2. 'कामायनी' में चरित्र-चित्रण
3. 'कामायनी' में रूपक तत्व
4. 'कामायनी' का महाकाव्यत्व
5. 'कामायनी' की दार्शनिकता
6. 'कामायनी' का कलापक्ष-भाषा, अलंकार, छंद विधान

इकाई नं. 3 : अध्ययनार्थ विषय : — 15 तासिकाएं

1. नई कविता का स्वरूप और विशेषताएँ
2. नई कविता की विषयवस्तु
3. नई कविता का उद्देश्य
4. नई कविता में आधुनिकबोध
5. नई कविता का शिल्प तथा कलापक्ष (भाषा, बिंबविधान, प्रतीक योजना और अलंकार)

इकाई नं. 4 : 'काव्य प्रसून' काव्यसंग्रह में से निम्नाकिंत कविताएँ : — 15 तासिकाएं

1) बीन भी हूं मैं तुम्हारी रागिणी भी हूं - महादेवी वर्मा
2) पहाडी बच्चा - निर्मल पुतल
3) कूडा बीनते बच्चे - अनामिका
4) जिंदगी का नमक - निर्मला गर्ग
5) अंधेरे में बुद्ध - गगनगिल
6) बात बोलेंगी - शमशेर बहादुर सिंह

7) एक पीली शाम - शमशेर बहादुर सिंह

8) भारत की आरती - शमशेर बहादुर सिंह

9) रोटी और संसद- धूमिल

10) मोचीराम- धूमिल

उक्त रचनाओं की संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।

*****

संदर्भ ग्रंथ :

1. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
2. कामायनी के अध्ययन की समस्याएं - डॉ. नगेंद्र
3. कामायनी चिंतन- विमलकुमार जैन
4. कामायनी: एक नवीन दृष्टि - प्रो. रमेशचंद्र गुप्त
5. कामायनी : इतिहास और रूपक - सुशीला भारती
6. कामायनी विमर्श - भगीरथ दीक्षित
7. कामायनी कला और दर्शन - राममूर्ति त्रिपाठी
8. कामायनी एक पुनर्विचार - गजानन माधव मुक्तिबोध
9. कामायनी पुनर्मूल्यांकन - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता में महाभारत के पात्र - डॉ.जे.आर.बोरसे
11. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर - डॉ. संतोषकुमार तिवारी
12. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
13. मैथिलीशरण गुप्त के खंड़ काव्यों का अनुशीलन - डॉ. योगिता हिरे
14. नई कविता - डॉ. देवराज
15. नई कविता - आ. नंददुलारे वाजपेयी
16. जगदीश गुप्त का काव्य विविध आयाम - डॉ. सुरेश शिंदे, अभय प्रकाशन, कानपुर
17. नई रचना और रचनाकार - डॉ. दयानंद शर्मा, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
18. जगदीश गुप्त का काव्य चिंतन और सृजन डॉ. सुजीतकुमार शर्मा, श्यामा प्रकाशन, इलाहाबाद
19. काव्य पंरपरा और नईक कविता की भूमिका - डॉ. श्रीमती. कमलकुमार, प्रेम प्रकाशन मंदिर, दिल्ली
20. नवधा-संपा. अज्ञेय, डॉ. जगदीश गुप्त, भारतीय साहित्य प्रकाशन, मेरठ
21. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर - डॉ. संतोषकुमार तिवारी

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-II (Sem-III) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-601-MJM

Tittle of Course : छायावाद और नई कविता

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3									
CO 2		3								
CO 3		3								
CO 4	3									
CO 5			3							
CO 6						3				
CO 7							3			
CO 8										

Justification for the mapping

PO1: व्यापक ज्ञान और समझ (Comprehensive Knowledge and Understanding) :

CO1-आधुनिक हिंदी काव्य प्रवृत्तियों से छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होकर उनकी समझ बढ़ेगी।

CO4-छात्रों में आधुनिक काव्य रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित होंगी और समझ बढ़ेगी।

PO2: ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग (Application of knowledge and skills) :

CO2- छात्र आधुनिक काल के छायावादी तथा नई कविता के तात्विक एवं सैद्धान्तिक स्वरुप से परिचित होंगे।

CO3-छात्र आधुनिक युगीन काव्य प्रकारों के विकासक्रम से परिचय होंगे एवं उनके ज्ञान में वृद्धि होंगी।

PO3: संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य (Constitutional, humanistic, ethical, and moral values) :

CO5-काव्य के अध्ययन से छात्रों में नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदना का विकास होगा।

PO4: रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) : Nil

PO5 : स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही (Autonomy, Responsibility, and Accountability) : Nil

PO6: अनुसंधान कौशल (Research Skills):

CO6- छात्रों में काव्य आकलन से अनुसंधान की दृष्टि विकसित होंगी।

PO7: आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच (Critical and Creative Thinking) :

CO7-काव्य के अध्ययन से छात्रों में काव्य निर्माण के प्रति सकारात्मकता बढ़कर आलोचनात्मक सोच बढेगी।

PO8: समस्या समाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities): Nil

PO9: सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) : Nil

PO10: डिजिटल और तकनीकी कौशल (Digital and technological skills) :Nil

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-II] SEMISTER – III

Major – भाषाविज्ञान

PAPER CODE : HIN-602-MJM

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: III**
Course Type	**: Major Mandatory (Theory)**
Course Name	**: भाषा विज्ञान**
Course Code	**: HIN-602-MJM**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) *उद्देश्य (Course Objectives) :*

1. भाषा विज्ञान के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं का परिचय देना।
2. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना।
3. भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकासक्रम की जानकारी देना।
4. हिंदी भाषा के व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना।
5. हिंदी भाषा के शब्द-भेदों के विकासक्रम का विवरण देना।
6. हिंदी भाषा के विविध रूपों की जानकारी देना।
7. भाषा के अध्ययन से छात्रों में अनुसंधानात्मक एवं आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करना।

B) *अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :*

CO1- भाषा विज्ञान के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं से परिचित होंगे।

CO2- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे।

CO3- भारतीय आर्यभाषाओं के ऐतिहासिक विकासक्रम की जानकारी होंगी।

CO4- हिंदी भाषा के व्याकरणिक स्वरूप से परिचित होंगे।

CO5- हिंदी भाषा के शब्द-भेदों के विकासक्रम से परिचित होंगे।

CO6- हिंदी भाषा के विविध रूपों से परिचित होंगे।

CO7- भाषा के अध्ययन से छात्रों में अनुसंधानात्मक एवं आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

पाठ्यक्रम

Major – भाषा विज्ञान

PAPER CODE : HIN-602-MJM

इकाई नं. 1. : भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप और व्याप्ति — 15 तासिकाएं
अध्ययन की दिशाएँ।

इकाई नं. 2. : स्वन विज्ञान : स्वन की परिभाषा, स्वन वर्गीकरण, — 15 तासिकाएं
स्वनगुण, स्वन परिवर्तन, स्वनिम, स्वन और स्वनिम में अंतर।

इकाई नं. 3. : रूपविज्ञान : रूप का स्वरूप, अर्थ तत्व और संबंध तत्व, — 15 तासिकाएं
रूपिम की परिभाषा, रूपिम के भेद, संबंध तत्व के प्रकार,
रूप और रूपिम में अंतर।

इकाई नं.4. : वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा और स्वरूप, वाक्य के भेद, — 15 तासिकाएं
वाक्य विश्लेषण - मूल वाक्य, रूपांतरित वाक्य, आंतरिक संरचना, बाह्य संरचना।
अर्थविज्ञान : अर्थ की परिभाषा और स्वरूप, शब्द और अर्थ का संबंध,
अर्थ परिवर्तन की दिशाएं और कारण ।

*****

संदर्भ ग्रंथ :

1.भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2.भाषा विज्ञान - डॉ. राजमल बोरा
3.भाषा विज्ञान की भूमिका - सैद्धांतिक विवेचन - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
4.भाषा विज्ञान के सिद्धांत - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय
5.भाषा विज्ञान - सैद्धांतिक विवेचन - रवींद्र श्रीवास्तव
6.भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
7.भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
8.भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. केशवदेव रूपाली
9.भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. विश्वदेव त्रिगुणायत
10.भाषा विज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा
11.सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना
12.आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. कृपाशंकर सिंह

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-II (Sem-III) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-602-MJM

Tittle of Course : भाषा विज्ञान

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3									
CO 2	3									
CO 3	2									
CO 4										3
CO 5										3
CO 6		3				3	3			
CO 7							3			
CO 8										

Justification for the mapping

PO1: व्यापक ज्ञान और समझ (Comprehensive Knowledge and Understanding) :

CO1- भाषा विज्ञान के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं से छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होकर उनकी समझ बढ़ेगी।

CO2- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से छात्र परिचय होंगे।

CO3- भारतीय आर्यभाषाओं के ऐतिहासिक विकासक्रम की जानकारी छात्रों को मिलेंगी।

PO2: ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग (Application of knowledge and skills) :

CO6- हिंदी भाषा के विविध रूपों से परिचित होकर उनमें रचनात्मक सोच बढेंगी।

PO3: संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य (Constitutional, humanistic, ethical, and moral values) :Nil

PO4: रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) : Nil

PO5 : स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही (Autonomy, Responsibility, and Accountability) : Nil

PO6: अनुसंधान कौशल (Research Skills):

CO7- भाषा के अध्ययन से छात्रों में अनुसंधानात्मक एवं आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

PO7: आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच (Critical and Creative Thinking) :

CO6- हिंदी भाषा के विविध रूपों से परिचित होकर उनमें रचनात्मक सोच बढेंगी।

CO7- भाषा के अध्ययन से छात्रों में अनुसंधानात्मक एवं आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

PO8: समस्या-समाधान क्षमताएँ (Problem-solving Abilities): Nil

PO9: सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) : Nil

PO10: डिजिटल और तकनीकी कौशल (Digital and technological skills):

CO4- हिंदी के व्याकरणिक स्वरूप से परिचित होकर छात्र तकनीकी कौशल अवगत करेंगे

CO5- हिंदी भाषा के शब्द-भेदों से छात्रों में तकनीकी ज्ञान विषयक वृद्धि होंगी।

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-II] SEMISTER – III

Major –हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

PAPER CODE : HIN-603-MJM

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: III**
Course Type	**: Major Mandatory (Theory)**
Course Name	**: हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)**
Course Code	**: HIN-603-MJM**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को युगीन परिस्थितियों की जानकारी देना।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
3. आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रतिनिधि कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित कराना।
4. जैन, सिध्द, नाथ और अपभ्रंश साहित्य से अवगत कराना।
5. युगीन प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।
6. हिंदी साहित्य के इतिहास का महत्व समझाना।
7. हिंदी साहित्य का इतिहास के माध्यम से युगबोध कराना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- छात्र युगीन परिस्थितियों से परिचित होंगे।

CO2- हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण से परिचित होंगे।

CO3- आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन प्रमुख कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित होंगे।

CO4- जैन, सिध्द, नाथ और अपभ्रंश साहित्य से अवगत होंगे।

CO5- युगीन प्रवृत्तियों से छात्र परिचित होंगे।

CO6- हिंदी साहित्य के इतिहास का महत्व समझेंगे।

CO7- हिंदी साहित्य का इतिहास के माध्यम से युगबोध से परिचित होंगे।

पाठ्यक्रम

Major – हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

PAPER CODE : HIN-603-MJM

इकाई नं.1 : हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन, 15 तासिकाएं
हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा, पद्धतियाँ,
काल विभाजन और नामकरण।

इकाई नं .2 : आदिकाल की सामाजिक-साहित्यिक पृष्ठभूमि, 15 तासिकाएं
आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ रासो साहित्य,
जैन साहित्य सिद्ध और नाथ साहित्य, चंदबरदाई का परिचय ।

इकाई नं .3 : भक्ति आंदोलन, भक्तिकाल की सामाजिक-साहित्यिक पृष्ठभूमि, 15 तासिकाएं
आलवार संत, भक्तिकाल के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार
निर्गुण-सगुण काव्य की विशेषताएँ
निर्गुण धारा के कवियों का सामान्य परिचय : कबीर, रैदास, जायसी, नामदेव
सगुण धारा के कवियों का सामान्य परिचय : सूरदास, मीराबाई, रसखान, तुलसीदास

इकाई नं.4 : रीतिकाल की सामाजिक-साहित्यिक पृष्ठभूमि, 15 तासिकाएं
रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त।
रीतिकाल के प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय।
बिहारी, केशव, घनानंद, भूषण।

*****

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - संपा. डॉ. नगेंद्र
3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
4. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
5. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वाष्णेय
6. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. श्यामचंद्र कपूर
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
8. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ - डॉ. गोविंदराम शर्मा

****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-II (Sem-III) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-603-MJM

Tittle of Course : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3		3							
CO 2					2					
CO 3		2								
CO 4									2	
CO 5						3				
CO 6								3		
CO 7							2			
CO 8										

Justification for the mapping

PO1: व्यापक ज्ञान और समझ (Comprehensive Knowledge and Understanding) :

CO1-युगीन परिस्थितियों से परिचित होकर छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होगी और उनकी समझ बढ़ेंगी।

PO2: ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग (Application of knowledge and skills) :

CO3-आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन प्रमुख कवियों और उनकी रचनाओं से छात्र परिचित होंगे।

PO3: संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य (Constitutional, humanistic, ethical, and moral values) :

CO1-युगीन परिस्थितियों से परिचित होकर छात्रों में मानवतावादी एवं नैतिक मूल्यों का विकास होगा।

PO4: रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) : Nil

PO5 : स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही (Autonomy, Responsibility, and Accountability) :

CO2- हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण की संदिग्धता की पडताल करेंगे।

PO6: अनुसंधान कौशल (Research Skills):

CO5-युगीन प्रवृत्तियों से छात्र परिचित होकर छात्र अनुसंधान कौशल विकसित करेंगे।

PO7: आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच (Critical and Creative Thinking) :

CO7-हिंदी साहित्य का इतिहास के माध्यम से युगीन आलोचनात्मक सोच बढेंगी।

PO8: समस्यासमाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities):

CO6-हिंदी साहित्य के इतिहास का महत्व समझते हुए एतिहासिक समस्या का समाधान ढूंढने की कोशिश करेंगे।

PO9: सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :

CO4-जैन, सिध्द, नाथ और अपभ्रंश साहित्य को टीम वर्क के माध्यम से संकलित करेंगे।

PO10: डिजिटल और तकनीकी कौशल (Digital and technological skills): Nill

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-II] SEMISTER – III

MJM –जनसंचार माध्यम

PAPER CODE : HIN-604-MJM

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A.-II**
Semester	**: III**
Course Type	**: SEC**
Course Name	**: जनसंचार माध्यम**
Course Code	**: HIN -604-MJM**
No. of Lectures	**: 30**
No. of Credits	**: 02**

A) उद्देश्य (CourseObjectives) :

1) जनसंचार माध्यम का सामान्य परिचय कराना।

2) जनसंचार माध्यम प्रक्रिया, सैद्धांतिक पक्ष, समस्या, भेद आदि से शिक्षार्थी को मार्गदर्शन कराना।

3) छात्रों को जनसंचार माध्यम का महत्व बताना।

4) जनसंचार माध्यम के उपयोगी विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी देना।

5) छात्रों को हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं के पारस्परिक जनसंचार माध्यम संबंधी मार्गदर्शन करना।

6) शिक्षार्थी को जनसंचार माध्यम कार्य के लिए योग्य बनाना।

7) छात्रों को हिंदी-मराठी-अंग्रेजी तीन भाषाओं पर प्रभुत्व प्राप्त कराने के लिए मार्गदर्शन करना।

B) अपेक्षित परिणामCourseOutcomes:

CO1- छात्र जनसंचार माध्यम से परिचित होंगे।

CO2- जनसंचार माध्यम प्रक्रिया, सैद्धांतिक पक्ष, समस्या, भेद आदि से शिक्षार्थी परिचित होंगे।

CO3- छात्र जनसंचार माध्यम का महत्व समझेंगे।

CO4- छात्र विभिन्न क्षेत्रों में जनसंचार माध्यम की आवश्यकता से अवगत होंगे ।

CO5- छात्र हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं के पारस्परिक जनसंचार माध्यम से परिचित होंगे।

CO6- शिक्षार्थी को जनसंचार माध्यम कार्य करने योग्य बन जाऐंगे ।

CO7- छात्र हिंदी, मराठी, अंग्रेजी भाषाओं पर प्रभुत्व प्राप्त करेंगे ।

पाठ्यक्रम

जनसंचार माध्यम

PAPER CODE : HIN-604-MJM

इकाई नं.1:	1. जनसंचार : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप । 2. जनसंचार : प्रक्रिया का स्वरूप	10 तासिकाएं
इकाई नं.2 :	1. जनसंचार माध्यम : विभिन्न रूप अ) मुद्रित जनसंचार माध्यम आ) इलेक्ट्रॉनिक जनसंचार माध्यम	10 तासिकाएं
इकाई नं.3 :	1. जनसंचार माध्यमों की भाषा 2. जनसंचार माध्यमों की विशेषताएं 3. जनसंचार माध्यमों के प्रमुख कार्य	10 तासिकाएं

*****

संदर्भ ग्रंथ :

1) प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयुक्ति और अनुवाद - डॉ. माधव सोनटक्के
2) जनसंचार माध्यम : दशा और दिशा - डॉ- दीप्ति देशपांडे और डॉ. सुरेश कानडे
3) मीडिया लेखन और व्यवहार - डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र
4) मीडिया और हिंदी - डॉ. पंडित बन्ने
5) हिंदी के अधुनातन आयाम - डॉ. अम्बादास देशमुख

******

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-II (Sem-III) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-604-MJM

Tittle of Course : जनसंचार माध्यम

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3									
CO 2			3					2		
CO 3		3								
CO 4		3								3
CO 5				3						
CO 6					3					
CO 7						2	2			
CO 8										

Justification for the mapping

PO1: व्यापक ज्ञान और समझ (Comprehensive Knowledge and Understanding) :

CO1- छात्र जनसंचार माध्यम से अवगत होकर उनके ज्ञान में वृद्धि होगी।

PO2: ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग (Application of knowledge and skills) :

CO3- छात्र जनसंचार माध्यम का महत्व समझते हुए उसका अनुप्रयोग करेंगे।

CO4- छात्र विभिन्न क्षेत्रों में जनसंचार माध्यम की आवश्यकता को समझते हुए उसके कौशल को विकसित करेंगे।

PO3: संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य (Constitutional, humanistic, ethical, and moral values):

CO2- जनसंचार माध्यम प्रक्रिया, सैद्धांतिक पक्ष, समस्या, भेद आदि के ज्ञान से शिक्षार्थी में संवैधानिक, मानवतावादी, और नैतिक मूल्यों से परिचित होकर उसका दैनंदिन जीवन में अनुप्रयोग करेंगे।

PO4: रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) :

CO5- छात्र हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं के प्रभुत्व से रोजगार और नौकरी पाने में सफल होंगे।

PO5 : स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही (Autonomy, Responsibility, and Accountability) :

CO6- शिक्षार्थी जनसंचार के माध्यम से कार्य करने योग्य बनते हुए अपनी एक अलग पहचान बनाने में सफल होंगे।

PO6: अनुसंधान कौशल (Research Skills):

CO7- छात्र हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं के माध्यम से आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच विकसित करेंगे

PO7: आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच (Critical and Creative Thinking) :

CO7- छात्र हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं के माध्यम से आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच विकसित करेंगे ।

PO8: समस्या-समाधान क्षमताएँ (Problem-solving Abilities):

CO2- जनसंचार माध्यम प्रक्रिया, सैद्धांतिक पक्ष, समस्या, भेद आदि के ज्ञान से शिक्षार्थी में समझ बढेगी।

PO9: सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) : Nil

PO10: डिजिटल और तकनीकी कौशल (Digital and technological skills):

CO4- छात्र विभिन्न क्षेत्रों में जनसंचार माध्यम के डिजिटल और तकनीकी कौशल को विकसित करेंगे।

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-II] SEMISTER – III

Electives – वैकल्पिक : (A) आधुनिक हिंदी आलोचना

PAPER CODE : HIN-611-MJE

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: III**
Course Type	**: Electives**
Course Name	**: वैकल्पिक : (A) आधुनिक हिंदी आलोचना**
Course Code	**: HIN-611-MJE**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) *उद्देश्य (Course Objectives) :*

1. छात्रों को आलोचना के स्वरूप से परिचित कराना ।
2. हिंदी आलोचना के विकास का परिचय देना ।
3. हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धतियों से अवगत कराना ।
4. हिंदी आलोचकों के प्रदेय से परिचित कराना ।
5. छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित कराना ।
6. आलोचना में आलोचकों के योगदान से परिचित कराना ।
7. आलोचना के माध्यम से शोध वृत्ति विकसित कराना ।

B) *अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes):*

CO1- छात्र आलोचना के स्वरूप से परिचित होंगे।
CO2- हिंदी आलोचना के विकास से परिचित होंगे।
CO3- हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धतियों से परिचित होंगे।
CO4- हिंदी आलोचकों के प्रदेय से परिचित होंगे।
CO5- छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होंगी।
CO6- आलोचना में आलोचकों के योगदान से परिचित होंगे।
CO7- आलोचना के माध्यम से शोध वृत्ति विकसित होंगी।

पाठ्यक्रम

Electives– वैकल्पिक : (A) आधुनिक हिंदी आलोचना

PAPER CODE :HIN-611-MJE

इकाई नं.1: आलोचना : स्वरूप, उद्देश्य, 15 तासिकाएं
आलोचक के गुण।
आलोचना और अनुसंधान।

इकाई नं.2 : हिंदी आलोचना का संक्षिप्त इतिहास, 15 तासिकाएं
भारतेंदुकालीन आलोचना, द्विवेदी युगीन आलोचना,
आ. शुक्लयुगीन आलोचना, शुक्लोतर आलोचना, समकालीन आलोचना।

इकाई नं.3 : हिंदी के प्रमुख आलोचक : 15 तासिकाएं

आ.रामचंद्र शुक्ल	आ.नंददुलारे वाजपेयी
आ.हजारीप्रसाद द्विवेदी	डॉ. रामविलास शर्मा
डॉ. नामवर सिंह।	

इकाई नं.4 : हिंदी आलोचना की प्रमुख पद्धतियाँ। 15 तासिकाएं
मार्क्सवादी, मनौवैज्ञानिक, शैलीवैज्ञानिक, उत्तर आधुनिक, अस्तित्ववादी आलोचना।

*****

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिंदी आलोचना : स्वरूप और प्रक्रिया - आनंदप्रकाश दीक्षित
2. आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत - डॉ. रामलाल सिंह
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - डॉ. रामविलास शर्मा
4. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व और साहित्य - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. आ. नंददुलारे वाजपेयी : व्यक्तित्व और साहित्य - डॉ. रामाधार शर्मा
6. हिंदी आलोचना का इतिहास - डॉ. रामदरश मिश्र
7. हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास - भगवत स्वरूप मिश्र
8. हिंदी के विशिष्ट आलोचक - नंदकुमार राय
9. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ - डॉ. रामेश्वर खंडेलवाल

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-II (Sem-III) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-611-MJE

Tittle of Course : (A) आधुनिक हिंदी आलोचना

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3					3				
CO 2	3					2				
CO 3		2					3			
CO 4			3							
CO 5				2				2		
CO 6							3			
CO 7							3			
CO 8										

Justification for the mapping

PO1: व्यापक ज्ञान और समझ (Comprehensive Knowledge and Understanding) :

CO1- छात्र आलोचना के स्वरूप से परिचित होकर उनमें आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

CO2- हिंदी आलोचना के विकास से परिचित होकर हिंदी आलोचना से संबंधित नई दृष्टि तथा उससे संबंधित ज्ञान प्राप्त होगा।

PO2: ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग (Application of knowledge and skills) :

CO3- हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धतियों से परिचित होकर ज्ञान और कौशल का अपने जीवन में अनुप्रयोग करेंगे।

PO3: संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य (Constitutional, humanistic, ethical, and moral values) :

CO4- हिंदी आलोचकों के प्रदेय से संवैधानिक, मानवतावादी और नैतिक मूल्यों का छात्रों में विकास होगा।

PO4: रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) :Nil

PO5 : स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही (Autonomy, Responsibility, and Accountability) :

CO5- छात्र आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करते हुए अपने क्षेत्र का चुनाव करेंगे।

PO6: अनुसंधान कौशल (Research Skills):

CO1- छात्र आलोचना के स्वरूप से परिचित होकर उनमें आलोचनात्मक समझ विकसित होगी ।

CO2- हिंदी आलोचना के विकास से परिचित होकर हिंदी आलोचना से संबंधित नई दृष्टि तथा उससे संबंधित ज्ञान प्राप्त होगा।

PO7: आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच (Critical and Creative Thinking) :

CO3- हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धतियों से परिचित होकर ज्ञान और कौशल का अपने जीवन में अनुप्रयोग करेंगे।

CO6- आलोचना में आलोचकों के योगदान से परिचित होंगे।

CO7- आलोचना के माध्यम से शोध वृत्ति विकसित होंगी।

PO8: समस्या-समाधान क्षमताएँ (Problem-solving Abilities):

CO5- छात्र आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करते हुए अपने क्षेत्र की समस्या का समाधान एवं क्षमताएँ विकसित करेंगे।

PO9: सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) : Nil

PO10: डिजिटल और तकनीकी कौशल (Digital and technological skills) :Nil

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला[M.A.-II] SEMISTER – III

Electives– वैकल्पिक : (B) अनुवाद विज्ञान

PAPER CODE : HIN-611-MJE

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: III**
Course Type	**: Electives**
Course Name	**: वैकल्पिक : (B) अनुवाद विज्ञान**
Course Code	**: HIN-611-MJE**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को अनुवाद विज्ञान के स्वरूप से परिचित कराना ।
2. हिंदी अनुवाद विज्ञान के विकास का परिचय देना ।
3. हिंदी के अनुवाद विज्ञान पद्धतियों से अवगत कराना ।
4. हिंदी अनुवाद विज्ञान के प्रदेय से परिचित कराना ।
5. छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित कराना ।
6. अनुवाद विज्ञान के योगदान से परिचित कराना ।
7. अनुवाद विज्ञान के माध्यम से शोध वृत्ति से परिचित कराना ।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes):

CO1- छात्र अनुवाद विज्ञान के स्वरूप से परिचित होंगे।
CO2- हिंदी अनुवाद विज्ञान के विकास से परिचित होंगे।
CO3- हिंदी के प्रमुख अनुवाद विज्ञान पद्धतियों से परिचित होंगे।
CO4- हिंदी अनुवाद विज्ञान के प्रदेय से परिचित होंगे।
CO5- छात्रों में अनुवाद विज्ञान की दृष्टि विकसित होंगी।
CO6- अनुवाद विज्ञान के योगदान से परिचित होंगे।
CO7- अनुवाद विज्ञान के माध्यम से शोध वृत्ति विकसित होंगी।

पाठ्यक्रम

Electives– वैकल्पिक : (B) अनुवाद विज्ञान

PAPER CODE :HIN-611-MJE

इकाई नं.1: अनुवाद : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, 15 तासिकाएं
अनुवाद का महत्व एवं व्याप्ति, अनुवाद के गुण।

इकाई नं.2 : अनुवाद के प्रकार : 15 तासिकाएं
प्रक्रिया के आधार पर - शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, रूपांतरण ।
गद्य-पद्य के आधार पर - गद्यानुवाद, पद्यानुवाद।
विधा के आधारपर - नाट्यानुवाद, काव्यानुवाद, कथानुवाद आदि।

इकाई नं.3 : अनुवाद के सोपान : 15 तासिकाएं
1) स्रोत भाषा, लक्ष्य भाषा।
2) अनुवाद सहायक सामग्री।

इकाई नं.4 : अनुवाद की समस्याएँ - मुहावरों और कहावतों का अनुवाद, 15 तासिकाएं
अलंकारों का अनुवाद, काव्यानुवाद, नाट्यानुवाद।

संदर्भ ग्रंथ:

1. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा - डॉ. सुरेश कुमार
2. अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
3. अनुवाद सिद्धान्त और व्यवहार - डॉ. एस. के. शर्मा
4. अनुवाद विज्ञान: सिद्धान्त और अनुप्रयोग - संपा. डॉ. नगेंद्र
5. अनुवाद: सिद्धान्त एवं प्रयोग - डॉ. जी. गोपीनाथन
6. अनुवाद कला : सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
7. अनुवाद सिद्धान्त और समस्याएँ - डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव/ डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी
8. अनुवाद बोध - संपा. डॉ.गार्गी गुप्त
9. काव्यानुवाद की समस्याएँ: साहित्य का अनुवाद - डॉ. भोलानाथ तिवारी/महेंद्र चतुर्वेदी
10.अनुवाद भाषाएँ - समस्याएँ डॉ.एन. ई. विश्वनाथ अय्यर

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-II (Sem-III) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-611-MJE

Tittle of Course : वैकल्पिक : (B) अनुवाद विज्ञान

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3									
CO 2	2									
CO 3		3								
CO 4		3								2
CO 5				3						
CO 6					3					
CO 7						3	2	2		
CO 8										

Justification for the mapping

PO1: व्यापक ज्ञान और समझ (Comprehensive Knowledge and Understanding) :

CO1- छात्र अनुवाद विज्ञान के स्वरूप से परिचित होकर उनमें अनुवाद विज्ञान का व्यापक ज्ञान और समझ विकसित होगी।

CO2- अनुवाद विज्ञान के विकास से परिचित होकर छात्र अनुवाद विज्ञान के बारे में अवगत होंगे।

PO2: ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग (Application of knowledge and skills) :

CO3- हिंदी के प्रमुख अनुवाद विज्ञान पद्धतियों से परिचित होकर छात्रों में अनुवाद कौशल विकसित होगा।

CO4- हिंदी अनुवाद विज्ञान के ज्ञान और कौशल से छात्र अनुवाद करना सिख जाऐंगे।

PO3: संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य (Constitutional, humanistic, ethical, and moral values) : Nill

PO4: रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) :

CO5- छात्रों में अनुवाद विज्ञान की दृष्टि विकसित होकर वे अनुवाद में रोजगार और नौकरी पाने के लिए सक्षम होंगे।

PO5 : स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही (Autonomy, Responsibility, and Accountability) :

CO6- छात्र अनुवाद विज्ञान के योगदान से अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करेंगे।

PO6: अनुसंधान कौशल (Research Skills):

CO7- अनुवाद विज्ञान के माध्यम से शोध वृत्ति का विकास होकर छात्रों में अनुसंधान का कौशल विकसित होगा।

PO7: आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच (**Critical and Creative Thinking**) :

CO7- अनुवाद विज्ञान के माध्यम से शोध वृत्ति का विकास होकर छात्रों में अनुसंधान का कौशल विकसित होगा।

PO8: समस्या-समाधान क्षमताएँ (**Problem-solving Abilities**):

CO7- अनुवाद विज्ञान के माध्यम से शोध वृत्ति का विकास होकर छात्रों में उसकी समस्या को पहचानते हुए उसका समाधान ढूंढने की क्षमताएँ विकसित होगी।

PO9: सहयोग और टीम वर्क (**Collaboration and Teamwork**) :

PO10: डिजिटल और तकनीकी कौशल (**Digital and technological skills**):

CO4- हिंदी अनुवाद विज्ञान के ज्ञान और कौशल से छात्र डिजिटल और तकनीकी कौशल से अनुवाद करना सिख जाऐंगे।

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-II] SEMISTER – III

RP- लघु शोध-प्रबंध

PAPER CODE : HIN-621-RP

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**:III**
Course Type	**: RP**
Course Name	**: लघु शोध-प्रबंध**
Course Code	**: HIN -621-RP**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को अनुसंधान की प्रविधि से परिचित कराना।
2. अनुसंधान की प्रक्रिया से बोध कराना।
3. अनुसंधान की पद्धति से अनुसंधान करने हेतु छात्रों को सक्षम बनाना।
4. अनुसंधान का महत्व समझाना।
5. अनुसंधान के विविध क्षेत्रों से अवगत कराना।
6. अनुसंधान की विभिन्न शाखाओं से अवगत कराना।
7. अनुसंधान के मूलतत्वों को समझना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes):

CO1-छात्र अनुसंधान की प्रविधि से परिचित होंगे।

CO2-अनुसंधान की प्रक्रिया से बोध होगा ।

CO3-अनुसंधान की पद्धति से अनुसंधान करने हेतु छात्रों की सक्षम बढेगी।

CO4-अनुसंधान का महत्व से परिचित होंगे।

CO5-अनुसंधान के विविध क्षेत्रों से परिचित होंगे।

CO6-अनुसंधान की विभिन्न शाखाओं से परिचित होंगे।

CO7-अनुसंधान के मूल तत्वों को समझेंगे।

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-II (Sem-III) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-621-RP

Tittle of Course : लघु शोध-प्रबंध

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3						3			
CO 2	3					3	3			
CO 3	2					3			3	
CO 4		3				3				3
CO 5				2						
CO 6								3		
CO 7								3		
CO 8										

Justification for the mapping

PO1: व्यापक ज्ञान और समझ (Comprehensive Knowledge and Understanding) :

CO1-छात्र अनुसंधान की प्रविधि से परिचित होकर उनमें अनुसंधान का व्यापक ज्ञान और समझ विकसित होगी।

CO2-अनुसंधान की प्रक्रिया से छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होकर उनकी समझ बढेगी।

CO3-अनुसंधान की पद्धति से अनुसंधान करने हेतु छात्रों में शोधवृत्ति का विकास होगा।

PO2: ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग (Application of knowledge and skills) :

CO4-अनुसंधानात्मक ज्ञान और कौशल के अनुप्रयोग से छात्र अनुसंधान कौशल विकसित कर पाऐंगे।

PO3: संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य (Constitutional, humanistic, ethical, and moral values) : Nill

PO4: रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) :

CO5-अनुसंधान के विविध क्षेत्रों से परिचित होकर छात्र अनुसंधान में रोजगार और नौकरी पाने के लिए सक्षम होंगे।

PO5 : स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही (Autonomy, Responsibility, and Accountability) :- Nill

PO6: अनुसंधान कौशल (Research Skills):

CO2-अनुसंधान की प्रक्रिया से छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होकर उनकी समझ बढेगी।

CO3-अनुसंधान की पद्धति से अनुसंधान करने हेतु छात्रों में शोधवृत्ति का विकास होगा।

CO4-अनुसंधानात्मक ज्ञान और कौशल के अनुप्रयोग से छात्र अनुसंधान कौशल विकसित कर पाऐंगे।

PO7: आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच (Critical and Creative Thinking) :

CO1-छात्र अनुसंधान की प्रविधि से परिचित होकर उनमें आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच विकसित होगी।

CO2-अनुसंधान की प्रक्रिया से छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होकर उनकी समझ बढेगी।

PO8: समस्या समाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities):

CO6-अनुसंधान की विभिन्न शाखाओं से परिचित होकर छात्र शोध में आनेवाली समस्याओं का समाधान ढूंढते हुए क्षमताएँ विकसित कर पाऐंगे। ।

CO7-अनुसंधान के मूल तत्वों से छात्रों में क्षमताएँ विकसित होगी।

PO9: सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :

CO3-अनुसंधान की पद्धति से परिचित होकर छात्र अनुसंधान करने हेतु सहयोग और टीम वर्क कौशल का विकास होगा।

PO10: डिजिटल और तकनीकी कौशल (Digital and technological skills) :

CO4-अनुसंधानात्मक ज्ञान और कौशल के अनुप्रयोग से छात्र डिजिटल और तकनीकी कौशल में निपुण होंगे ।